nt>

14.05 hrs.

RAILWAY BUDGET 2004-2005 − GENERAL DISCUSSION

AND

DEMANDS FOR GRANTS ON

ACCOUNT − (RAILWAYS) 2004-2005− contd.

Title: General discussion on the Budget (Railways) for the year 2004-05; and Demands for Grants on account (Railways) for the year 2004-05.

MR. DEPUTY-SPEAKER: The House will now take up item Nos. 11 and 12 together, that is, the general discussion on the Railway Budget and voting on the Demands for Grants on Account (Railways).

Shri Bhuvaneshwar Prasad Mehta may initiate the discussion today.

श्री भुवनेश्वर प्रसाद मेहता (हजारीबाग) : उपाध्यक्ष महोदय, संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन सरकार का यह पहला रेल बजट है और मैं माननीय रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद जी को इसलिए बधाई देना चाहता हूं कि उन्होंने इस सदन में यह जो यह बजट पेश किया, हिन्दुस्तान के आम अवाम, गरीब और अल्पसंख्यकों के अनुकूल है। इन्होंने कुछ ऐसे कदम उठाये हैं, जिनसे लगता है कि यह रेल बजट हिन्दुस्तान के वैसे लोग, जिनकी ओर कोई नहीं देखता था, वैसे लोगों का ख्याल इस रेल बजट में रखा गया है।

उन्होंने बेरोजगारों के लिए, जो इण्टरव्यू में जाते हैं, जिनको पैसा देकर जाना पड़ता था, उनके लिए उन्होंने फ्री टिकट देने का इसमें काम किया है। साथ ही साथ महिला जांचकर्ता दल को भी इन्होंने मजबूत करने का आश्वासन अपने रेल बजट में दिया है और उनको प्रशिक्षित करने की भी उन्होंने कोशिश की है। जहां तक अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और पिछड़े वर्ग के लिए जो आरक्षित पद हैं, उनका बहुत बैकलॉग पड़ा हुआ है। उन्होंने कहा है कि एक अभियान चलाकर उस बैकलॉग को भरने का काम रेल मंत्रालय करेगा। साथ ही साथ जो किसान सब्जी, फल आदि उपजाते हैं, उसके लिए इन्होंने कहा है कि उनके परिवहन का स्पेशल इन्तजाम किया जाये ताकि किसानों द्वारा उपजाये फल, सब्जी और दूध को दूसरी जगह ले जाया जा सके, जिससे उन्हें दिक्कत नहीं हो।

जो लाइसेंसधारी पोर्टर हैं, उनके लिए उन्होंने रेलवे स्टेशन पर विश्रान्तिगृह बनाने का काम करने को कहा है। रेलवे स्टेशन एवं जंक्शन के जो स्टाल हैं, उनमें इन्होंने 25 प्रतिशत आदिवासियों के लिए, गरीबों के लिए, दलितों और विकलांगों के लिए स्थान सुरक्षित रखने की घोाणा की है, जिन पर अब तक एक तरह के लोगों का कब्जा था। जिन स्टालों पर 50 वार्ों से जो आदमी आज तक काम करते आये हैं, उनके लिए इन्होंने 25 प्रतिशत गरीबों के लिए आरक्षण करने की घोाणा की है।

साथ ही साथ सुरक्षा के दृटिकोण से इन्होंने कहा है कि जो रेल बोर्ड में भर्ती होगी, वह सी.आर.पी.एफ. की भर्ती अब रेल बोर्ड नहीं करेगा, बल्कि सुरक्षा पदाधिकारियों के द्वारा भर्ती होगी। इसके साथ ही साथ रेलवे का पहिया यहां बनाकर पब्लिक सैक्टर को आगे बढ़ाने का काम इन्होंने सोचा है। इन्होंने रेल बजट में प्रावधान किया है कि रेल का चक्का जो बाहर से आता है, विदेशों से आता है, उसे यहीं पर इन्होंने बनाने के लिए कारखाना शुरू करने की घोाणा की है।

रेल बजट में इन्होंने जो घोाणाएं की हैं, उसमें कुछ ऐसी खामियां हैं, जिनकी चर्चा नहीं की गई है। खासकर मैं कहना चाहता हूं कि इस रेल बजट में सभी प्रदेशों को समान रूप से देखना चाहिए था, उसकी इसमें कमी रह गई है। केरल के आम लोगों में इस बात का अफसोस है कि केरल पर ध्यान नहीं दिया गया और केरल में जो काम करना चाहिए था, वह इन्होंने नहीं किया है। साथ ही साथ इन्होंने केरल, छत्तीसगढ़, झारखण्ड और कई राज्यों की उपेक्षा की है।

इसी तरह से जो महानगरों में ट्रेन से लोग चलते हैं और जो लोकल गाड़ियां चलती हैं, इनकी इस बजट में कोई चर्चा नहीं है। उन लोकल गाड़ियों की हालत काफी खराब है, लोगों को आने-जाने में दिक्कत होती है। हम तो केरल में, कलकत्ता में, मुम्बई में और दूसरी जगहों पर भी महानगरों में रेल में चले हैं तो देखते हैं कि हालत इतनी खराब है कि उसका कोई भी रख-रखाव के लिए, उसकी मरम्मत के लिए और फिर जो लोकल ट्रेन की सुविधा होती है, वह लोकल ट्रेन को ठीक करना चाहिए, जिसमें आम लोग चलते हैं, उनमें रोज-बरोज हजारों, लाखों लोग, आम आदमी शहरों में, कलकत्ता में, तमिलनाडू में, दिल्ली में जाते हैं, उनको काफी तकलीफ होती है, लेकिन उसकी कोई चर्चा इस रेल बजट में नहीं है। साथ ही साथ आप देखते होंगे कि रेल बोर्ड में मजदूरों की काफी कमी है, मजदूरों की कमी के चलते जो रेल की मरम्मत होनी चाहिए, जो रेलवे पर ध्यान देना चाहिए, वह ध्यान नहीं होने से रेलवे में अधिक दुर्घटनाएं होती हैं। मैं माननीय मंत्री श्री लालू प्रसाद जी से आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जो मजदूरों की कमी है, जिसके चलते बराबर रेलवे में घटनाएं होती हैं। इन घटनाओं को दुरुस्त करने के लिए, इन घटनाओं को कम करने के लिए आप रेलवे में जो मजदूरों की कमी है, उस कमी को एक अभियान चलाकर सीमित समय में भरने के काम करें, नहीं तो ये दुर्घटनाएं बढ़ती जाएंगी।आप जानते हैं कि पिछले तीन-चार साल से रेलवे दुर्घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। हर साल 400-500 लोग रेल दुर्घटनाओं में मारे जाते हैं। अगर इस पर विशेा ध्यान नहीं दिया गया तो मैं समझता हूं कि दुर्घटनाएं और बढ़ेंगी। इसके अतिरिक्त मजदूरों की जो खाली जगह हैं, उनमें दलित, अनुसूचित जाति, जन जाति, अल्पसंख्यक या पिछड़े वर्ग के लोगों को माननीय रेल मंत्री जी की घोाणा के तहत भर्ती किया जाये।

उपाध्यक्ष महोदय, झारखण्ड कल तक बिहार का एक भाग था। रेल मंत्री श्री लालू प्रसाद यादव जी ने यहां रेल बजट पेश किया। मैं उनसे कहना चाहता हूं कि झारखंड बिहार का छोटा भाई है और छोटे भाई की हैसियत से झारखंड का भी आपको ध्यान रखना चाहिए था लेकिन आपने रेल बजट में उसकी उपेक्षा की है। वहां नयी रेल लाइन बनाने की कोई घोाणा नहीं की गयी। माननीय रेल मंत्री ने बजट भााण में खुद इसकी चर्चा की थी और कहा कि मैंने इस संबंध में सभी संसद सदस्यों को चिट्ठी लिखी है। उस चिट्ठी का हमने जवाब देकर कहा था कि हजारीबाग डिस्ट्रिक्ट मुख्यालय ही नहीं प्रमंडल का भी मुख्यालय है। उसके चारों तरफ कोयला और अभ्रक है। दुर्भाग्य है कि आजादी के 55 बरस बीत जाने के बाद भी हजारीबाग को रेलवे लाइन से जोड़ा नहीं गया।

आज से तीन साल पहले, तक लगातार रेल लाइन के लिये आंदोलन चले । यानी 2002 में हजारीबाग को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए आंदोलन चला। मैंने स्वयं हजारीबाग को रेलवे लाइन से जोड़ने के लिए आंदोलन किया और खुद जेल गया। इस संबंध में हजारों लोग जेल गये। इस रेलवे लाइन की स्वीकृति 1996 से पहले हो गयी थी लेकिन वर्ा 2002 में माननीय प्रधान मंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी ने इसका शिलान्यास किया था। उस समय के रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार जी भी वहां गये थे। उस पर कुछ काम शुरू हुआ था लेकिन चुनाव के छह महीने पहले ही वहां काम बंद हो गया। उसी तरह से कोडरमा से गिरिडीह जिसको जोड़ने के लिए पूर्व सांसद रीतलाल प्रसाद वर्मा आंदोलन करते रहे, वहां कुछ काम शुरू हुआ था लेकिन अब वह भी बंद पड़ा है।

अब वहा यह हल्ला है कि इसका काम नहीं होगा क्योंकि राजग की सरकार नहीं रही। श्री यशवन्त सिन्हा जी हार गये हैं इसलिए अब इस रेलवे लाइन का काम पूरा

नहीं होगा, यह प्रचार बड़े पैमाने पर राजग द्वारा, भारतीय जनता पार्टी द्वारा किया जा रहा है। मैने रेल मंत्री जी से कहा था कि कोडरमा से रांची लाइन, जो हजारीबाग तक जाती है, उसका काम धीमा पड़ा हुआ है। अफसोस की बात है कि राजग की सरकार ने हमें ठगने का काम किया। भारत सरकार ने जो खर्चा रेलवे विभाग को देना था, वह न देकर यह कहा कि दो तिहाई खर्चा झारखंड सरकार देगी और एक तिहाई खर्चा केन्द्र सरकार देगी। इस तरह से उसकी शुरुआत की गयी। झारखंड में इस समय राजग की सरकार है। उसने 250 करोड रुपये जो उसमें जमा करने थे, वह जमा नहीं किये। मात्र पचास करोड रूपया जमा किया था ।

मैं माननीय रेल मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आपने जो रेल बजट पेश किया है, उसमें भी इसका नाम नहीं आया है। मैं आपके माध्यम से रेल मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि हजारी बाग को रेलवे लाइन से जोड़ना चाहिए। कोडरमा से रांची तक वाया कोडरमा तथा कोडरमा से गिरिडीह ये दो मुख्य लाइनें हैं, जो 55 बरस की आजादी के बाद भी उपेक्षित पड़ी हैं। इनको रेल लाइन से जोडने के लिए बजट में कुछ नहीं कहा गया। रेल बजट में एक पैसे का प्रावधान भी नहीं किया गया। मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि रेल बजट में हजारीबाग और झारखंड की जनता के साथ उपेक्षा की गयी है।

मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि जिन आठ योजनाओं की चर्चा मैंने माननीय मंत्री जी को पत्र लिखकर की थी उसमें से केवल एक ही योजना का जिक्र बजट में किया गया है। बाकी जो सात योजनाएं हैं, उनकी चर्चा बजट में नहीं की गयी। मेरा कहना है कि इन योजनाओं का काम भी आप वहां शुरू करने की कृपा करें।

धनबाद से गया तक एक ही पैसेंजर ट्रेन सिटी लिंक चलती है जिसके ठहराव के लिए कई बार आंदोलन हुए। इसके तहत पचासों लोगों पर केस दर्ज हुए। कोडरमा तथा कई जगह के लोगों को रोड से जाने में छह से सात घंटे लगते हैं जबकि ट्रेन से आधा घंटा ही लगता है। इससे लोगों को काफी दिक्कतें होती हैं। वहां चले रहे आंदोलन के दौरान चौबे स्टेशन पर गोली चली जिसमें श्री मनोज चौधरी की मौत हो गयी लेकिन अभी तक वहां सिटी लिंक एक्सप्रैस का ठहराव नहीं हुआ। उसका चौबे, परसाबाद, शर्माटांड, हिरोडी में ठहराव नहीं किया गया जिसके चलते वहां के लोगों को काफी नुकसान हो रहा है। और आक्रोश है । मैं मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि वहां इसे भी करने की कोशिश करें।

झारखंड की ग्रेन कोड लाइन मसकेडीह में रेलवे फाटक नहीं होने से दर्जनों लोगों की ऐक्सीडैंट से मौत हो जाती है। इस कार्य को भी कराने का काम करें। बरकी-पोना स्टेशन पर लगातार दुर्घटनाएं होती रहती हैं। वहां ओवरब्रिज बनवाने का काम करें। राजरप्पा से देश के दूसरे प्रदेशों में रोज 7-8 ट्रेन जाती हैं। वहां भी लगातार घटनाएं होती रहती हैं।

झारखंड की राजधानी रांची है। वहां से राजधानी दो दिन चलती है जिससे झारखंड के लोगों की काफी उपेक्षा होती है। हम मंत्री जी से कहना चाहते हैं कि रांची से हर रोज एक राजधानी एक्सप्रैस चलाने की घोाणा करें ताकि वहां के लोगों की मदद हो सके।

कोडरमा, गिरिडीह, हजारीबाग, चतरा के लोग, एमपी हों या आम लोग हों, दिल्ली जाते हैं। वहां दो दिन भुवनेश्वर राजधानी रुकती है, दो दिन रांची राजधानी चलती है मगर बाकी के तीन दिन कोई राजधानी नहीं है। इसलिए सियालदाह राजधानी का स्टॉपेज तीन दिन कोडरमा में कर दिया जाए ताकि लोगों को आने-जाने में सुविधा हो।

अंत में मंत्री जी से प्रार्थना करते हुए कहना चाहता हूं कि बजट में झारखंड की उपेक्षा हुई है। झारखंड आपका छोटा भाई है, उसकी उपेक्षा न करें, वहां की योजनाओं को इसमें इनक्लूड करें और वहां रेल के क्षेत्र में विकास करने का काम करें। इतना कहकर मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Before I request the next speaker to speak, Shri Shriniwas Patil has requested to allow him to lay his speech on the Table of the House. I permit him to lay his speech on the Table of the House.

* SHRI SHRINIWAS DADASAHEB PATIL (KARAD): Mr. Speaker, Sir, on behalf of my party − Nationalist Congress Party, I seek your permission to lay on the Table of the House my written speech on Railway Budget presented by Lalu Prasadji on 6th July, 2004 for the year 2004-05.

I congratulate him for taking a bold decision to stop use of plastic and thermocal articles and thank him for giving encouragement to earthen pots "Kulhad" which will give employment to Kumhars and people in rural India and also for use of Khadi cloth and yarn spun or Kargha in railways. He has given patronage to the milk products to be used in trains which are produced by cooperative dairy farms having farmers as their members.

Sir, I come from Karad in Satara in Maharashtra which town is connected with the freedom movement of 1942 with its leader late Shri Yashvantrao Chavan, Ex. Dy. Prime Minister of the country. The Railway station is on South Central Railway in Pune Division. The policy to connect two metropolitan cities such as Pune and Bangalore is given birth by the announcement of Shri Laluji. He has announced that the survey work of doubling the braodgauge track between Pune-Miraj and Kolhapur will be given priority. This was long pending demand of Members of Parliament in south Maharashtra. I hope priority will be given to the starting and completing the survey work announced by Shri Laluji. Train named Mahalaxmi starts in the evening from Kohlapur for Mumbai. About 9 to 10 Ministers and about 40 to 45 MLAs do take advantage of the journey by this train which reaches Mumbai next day early morning; and again on its return journey leaves Mumbai in the evening same day and reaches Kolhapur next day early morning. I will be obliged, if for the convenience of the above mentioned Ministers and MLAs, if present II Class air-conditioned coach is replaced by a first

class coach. It will improve the efficiency of abovementioned Ministers and MLAs from this area, because they will have full comfort in the first class coach.

Karad is the main Railway station in my constituency. The building of Railway station is more than 100 years old and need total replacement. The facilities such as waiting room, toilets, urinals and street light, lights on platforms and length of covered platforms are outdated, as such I seek intervention of Hon'ble Railway Minister to start construction of new building for Railway station with modern and enough facilities. The total income from this station is Rs.24.50 crores per annum.

The main income is from goods transport and main item is sugar as there are 11 sugar factories in the background. The loading facility is too poor. No covered siding is available. As such there is lot of inconvenience in loading bags of sugar in rainy season. Mechanical loading facility under covered platform to load at least four or five wagons simultaneously shall solve the problem faced by sugar factories of today. The regular old platform is at low level and also having no enough full length to deplete the passengers. I am happy that Hon'ble Laluji has now announced the policy of raising the existing platforms and also extending their length to meet the requirement.

The station at Karad is having the facility of Reservation by computers. The station is 7 kms away from main town and as such it is requested that one or two terminals be given to RTS's in the town at Karad. To implement the policy of employing the Gatemen at more than thousand unmanned gates on Railways in India is very much appreciated. There are two or three gates which are closed after sunset and only opened next morning in my constituency such as Kharad near Kalgoan, in between Shirwade and Targaon Railway Stations. They need the Gatemen to man the gate after sunset till sunrise.

Old gates near Koparde village between Karad and Shirwade Railway stations need widening because of heavy traffic to and fro. Sometimes in sugarcane crushing season, due to vehicles which transport sugarcane the traffic in this gate is jammed due to narrow opening. I request the Minister to please send the team to inspect the said gate and do the needful.

a. Kolhapur-Dwarka Express should be started.
b. Bangalore-New Delhi Rajdhani Express should run once in a week via Hubli. This shall benefit Pune city.
c. A supefast train between Kolhapur and Pune should be started.

Due to some legal hurdles STD booths are not allotted on platforms. Government should intervene in this regard and must see that STD booths on priority are opened so that on one hand, facility will be given to people and employment is also generated for youths.

Waiting rooms for upper class passengers should be made air-conditioned.

With the above, I wind up my speech and earnestly hope that the Hon. Railway Minister shall give personal attention to the points raised by me; and shall get the needs of the people fulfilled.

---

*Speech was laid on the Table.

कुंवर मानवेन्द्र सिंह (मथुरा) : उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस रेल बजट का समर्थन करता हूं और कांग्रेस पार्टी की अध्यक्षा श्रीमती सोनिया जी के प्रति अपनी ओर से, देशवासियों की ओर से ह्रदय के आभार प्रकट करता हूं। मैं उनके प्रति कृतज्ञ हूं कि उन्होंने पिछले कई वर्षों में देश के हजारों किलोमीटर दौरा कर हर वर्ग के लोगों की भावनाओं को जाना, समझा और उसके मुताबिक प्रधान मंत्री जी और रेल मंत्री जी से विचार-विमर्श करके एक ऐसा रेल बजट प्रस्तुत किया जिसकी भारत के निवासी और विपक्ष में बैठे हुए माननीय सदस्य कल्पना भी नहीं कर सकते थे। जब बजट प्रस्तुत हुआ तो उनके पास बजट के प्रति कहने के लिए कोई शब्द नहीं थे और वे हमारी माननीय सदस्या सोनिया जी का नाम लेकर उत्तेजित होने लगे, बजट पर भाषण या विवेचना करना भूल गए। साथ ही मैं अपनी ओर से और देश की जनता की ओर से रेल मंत्री जी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने आजादी के इतिहास में पहला मील का पत्थर जोड़ा। आज तक जितने भी बजट आए, उनमें किराए बढ़ते रहे, माल-भाड़ा बढ़ता रहा, अन्य तरह के बजट आते रहे जिनसे प्रत्येक भारतवासी पर कहीं न कहीं असर होता रहा। लेकिन इस बजट में पहली बार ऐसा हुआ है। मैं श्री लालू प्रसाद और हमारे पास बैठे हुए माननीय नारायण भाई राठवा, जो राज्य मंत्री हैं, उनके प्रति आभार व्यक्त करता हूं। उन्होंने देशवासियों को इससे बड़ी भारी राहत प्रदान की है। हर वर्ग का व्यक्ति चाहे वह किसान हो, मजदूर हो, व्यवसायी हो या मध्यम वर्ग का व्यक्ति हो, सबको इस बजट से बड़ी राहत मिली है। इसके लिए आप विशेा बधाई के पात्र हैं। साथ ही जिस दिन माननीय मंत्री जी ने बजट पढ़ा, उसके दूसरे दिन अखबारों में हैड लाइन छपी कि माननीय मंत्री जी की धर्म पत्नी जो बिहार की मुख्य मंत्री हैं, उन्होंने माननीय मंत्री जी को किराया भाड़ा न बढ़ाने के निर्देश दिये और यह आग्रह किया कि बजट में किराया नहीं बढ़ना चाहिए। ...(व्यवधान) हमारी बिहार की मुख्यमंत्री महोदया भी इसके लिए विशेा बधाई की पात्र हैं। हम अपनी ओर से, सदन की ओर से और देशवासियों की ओर से ह्रदय से उनके प्रति आभार व्यक्त करते हैं और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं कि वह भी देश के प्रति कितनी जागरूक हैं। मैं माननीय मंत्री जी का दिल से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने वॉर-विडो, हरिजन, अल्पसंख्यक, पिछड़ा-वर्ग, अपंग, गरीब लोगों और महिलाओं के लिए विशेा प्रावधान अपने बजट में किया जो पहले कभी नहीं हुआ। उन्होंने रेल यात्राओं में भी छूट दी है। अंधे व्यक्ति के साथ एक व्यक्ति को विशेा छूट के साथ यात्रा में जाने को मिलेगा, यह प्रावधान भी माननीय रेल मंत्री जी ने किया है। इसके लिए भी आप विशेा बधाई के पात्र हैं। मुझे याद है कि जब राजीव गांधी जी, जो इस देश के प्रधान मंत्री थे, उन्होंने ताल कटोरा स्टेडियम में रेलवे के कुली जिनको आपने इस बजट में विशेा सुविधा दी है, उनका एक सम्मेलन बुलाया था और यह प्रयास किया था कि उनको किसी तरह से राहत दी जाए। इसके लिए भी मैं माननीय रेल मंत्री जी का ह्रदय से आभार व्यक्त करता हूं कि उन्होंने इस वर्ग को जो अपने सिर पर दिन रात सामान ढ़ोता है, उसके लिए पेंशन का प्रावधान करके उसको राहत दी है। इसके लिए भी वह विशेा बधाई के पात्र हैं।

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : उनकी पत्नी भी घूमेगी।

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : इसके लिए भी वह विशेा बधाई के पात्र हैं। आपने ग्रामीण अंचलों की ओर भी ध्यान दिया है। किसानों, गरीब मजदूरों, गांव में रहने वाले प्रत्येक गरीब नागरिक के लिए जो विशेा ट्रेन्स और सैनिकों के लिए जो विशेा सुविधाएं दी हैं, उसके लिए भी आज हर वर्ग आपका आभार व्यक्त कर रहा है। जो बेरोजगार नौजवान हैं जिनकी संख्या देश में बढ़ती जा रही है। उनके लिए भी माननीय मंत्री जी ने अपना ध्यान उधर दिया कि जब वे सरकारी नौकरियों हेतु साक्षात्कार के लिए जाएंगे तो उनको यात्रा में पूरी रियायत दी जाएगी। इस प्रकार से आपने जो उन युवकों और छात्राओं की भावनाओं का आदर किया है, हम सदन और देश की ओर से आपका स्वागत करते हैं। मैं आपका पुन: आभार व्यक्त करता हूं क्योंकि आपने मालभाड़ा के दाम नहीं बढ़ाए हैं। मालभाड़े के दाम बढ़ने से हर वर्ग जो देश में रहता है चाहे वह किसान हो, मजदूर हो, व्यवसायी हो, मध्यम वर्ग हो या नौकरीपेशा हो, उस पर कहीं न कहीं जाकर इसका बहुत बड़ा असर होता है क्योंकि हर जरूरत की चीज और हर साधन जीवन में उपलब्ध कराने होते हैं, उन पर असर होता है। इस प्रकार मालभाड़ा न बढ़ने से जो वस्तु की कीमत बाजारों में रोज बढ़

जाया करती थी, वह नहीं बढ़ी है, उसके लिए भी हम सबकी ओर से हम आपका आभार व्यक्त करते हैं। जहां तक रेल की सुरक्षा का सवाल है, आपने इस विाय का जिक्र भी अपने रेल बजट में किया है। रेल असुरक्षा काफी बढ़ गई है और आपने इसे ठीक करने की बात कही है। हमारे सामने जो माननीय सदस्य बैठे हैं, जब इनकी सरकार थी, तब आए दिन रेलों के एक्सीडेंट होते थे। मुझे याद है कि तमाम लोगों की उन दुर्घटनाओं में मृत्यु हुई थी। मैं रेल मंत्री जी से आग्रह करना चाहूंगा कि ट्रेन एक्सीडेंट रुकें, इस तरफ आपको ध्यान देना चाहिए। इसके साथ ही रेल दुर्घटनाओं में मारे जाने वाले व्यक्तियों के आश्रितों को जो मुआवजा मिलता है, उसमें वृद्धि की जानी चाहिए।

रेलगाड़ियों में डकैती और चोरियों की वारदातें काफी बढ़ रही हैं। उसकी पृठभूमि में जाने की आवश्यकता है। हमारे देश में बेरोजगारी बढ़ रही है। कल वित्त मंत्री जी ने अपना बजट पेश करते हुए बेरोजगार युवकों को रोजगार देने की बात कही थी। यह सदन इस पर गहन विचार करे कि जो बेरोजगार युवक हैं, वे गलत दिशा में न जाएं और चोरी तथा डकैती न करें। इसलिए इस तरफ ध्यान देना चाहिए और हमारी सरकार को पांच साल में इनको रोजगार प्रदान करने का प्रयास करना चाहिए। जिससे डकैती, हत्या और चोरियों की वारदातें रुक सकें और वे युवक अच्छी दिशा में कदम बढ़ा सकें। सभी सदस्य इस पर विचार करें और कोई ऐसी योजना बनाएं, जिसकी आज के युवकों में नितांत आवश्यकता है। बढ़ती हुई महंगाई और बढ़ती हुई जनसंख्या का भार हमारे बेरोजगार युवकों के ऊपर भी पड़ रहा है इसलिए वे गलत दिशा में भटकते जा रहे हैं।

मैं मंत्री जी से रेल व्यवस्था के बारे में उनका ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं। कांग्रेस पार्टी के पहले शासन काल में बंसीलाल जी और स्वर्गीय माधवराव सिंधिया जी भी रेल मंत्री हुए और उन्होंने इस दिशा में काफी कार्य किया था। हम लोग आए दिन रेलगाड़ियों में सफर करते हैं और हम देखते हैं कि रेलगाड़ियों में और प्लेटफार्मों में किस तरह की व्यवस्था है, इसको देखते हैं। आपने भी हाल ही में दिल्ली में रेलवे स्टेशन पर जाकर निरीक्षण किया और वहां सफाई की दुर्दशा को अपनी आंखों से देखा। आपने प्लेटफार्मों और रेलगाड़ियों की सफाई की जो बात कही है, वह भी स्वागत योग्य है। जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार थी, तब हम रेलगाड़ियों में सफर करते थे तो उनमें चादरें और बिस्तर गंदे मिलते थे। रेलवे रेल यात्रियों से इसका पैसा लेती है और यह उसकी जिम्मेदारी है कि वह अपने यात्रियों को साफ बिस्तर और अच्छा भोजन प्रदान करे। आपके समय में भी अगर ऐसा नहीं हुआ तो इसकी जिम्मेदारी आप पर आएगी इसलिए आप इस पर विशेा ध्यान दें। मैंने सुना था कि पिछली सरकार के समय रेलवे में कुछ माफिया सक्रिय हुए थे, जिनको ठेकेदारी दी गई, उन्होंने इस व्यवस्था को बिगाड़ दिया। आप इस पर विशेा ध्यान दें, जिससे यात्रियों को साफ बिस्तर मिले और उनके लिए अच्छे खाने का इंतजाम हो सके। आपने टी.वी. में भी देखा होगा और समाचार पत्रों में भी पढ़ा होगा कि उन दिनों जो अच्छी गाड़ियां थीं, जैसे राजधानी एक्सप्रेस और शताब्दी एक्सप्रेस में भी इस तरह का खाना दिया गया, जिससे सैंकड़ों यात्री बीमार हुए, क्योंकि खाना दूति और खराब था। यह तत्कालीन रेल मंत्री और सरकार के लिए शर्म की बात है। आपको इस ओर ध्यान देना होगा। मैं अभी तीन जुलाई को अगस्त क्रांति रेलगाड़ी से मुम्बई से सेकंड क्लास ए.सी. स्लीपर कोच से आ रहा था, जब मैं टॉयलट गया तो देखा कि वहां पानी गिर रहा था।मैनटेनेंस की दुर्दशा पिछली सरकार ने की है। इसलिए मेरा आपसे आग्रह है कि आप जो ट्रेनों में पानी टपकता है या ट्रेनों के डिब्बों की हालत खराब है उस ओर विशेा ध्यान दें।

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : इन लोगों ने पिछले पांच सालों में सब बर्बाद कर दिया है।

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : मैं आपसे सहमत हूं। अब मैं माननीय मंत्री जी का ध्यान रिजर्वेशन की ओर आकर्ति करना चाहता हूं। देश के विभिन्न हिस्सों में रहने वाले लोगों को कभी-कभी इमरजेंसी में जैसे कभी स्वास्थय के खराब हो जाने के कारण या ब्याह-शादियों में तुरंत जाने के कारण तुरंत गाड़ी पकड़नी होती है। उसके लिए मैं माननीय मंत्री जी से आग्रह करुंगा कि ऐसे लोगों के लिए विशेा रिजर्वेशन की व्यवस्था मंत्रालय में होनी चाहिए जिससे उन्हें इमरजेंसी में यात्रा करने में असुविधा का सामना न करने पड़े।

अपनी बात को समाप्त करते हुए अब मैं अपने संसदीय क्षेत्र मथुरा के बारे में कुछ कहना चाहूंगा। दो बार पहले भी मैं मथुरा से चुना गया था और इस बार भी चुनकर आया हूं और यह मेरा सौभाग्य है कि मैं मथुरा से चुनकर आया हूं। â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No running commentary please.

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : मेरा कहना यह है कि माननीय मंत्री जी भगवान कृण के वंशज हैं और मेरी ननिहाल आवागढ़ में है। इसलिए माननीय मंत्री जी मेरे मामा हुए और हम उनके भांजे हुए। इसलिए हमारा और आपका रिश्ता तो भगवान कृण की भूमि के कारण भी है और इस रिश्ते के कारण भी है।

श्री लालू प्रसाद) : हम आप तो एक थे बीच में लोगों ने रिश्ता बिगाड़ दिया।

श्रीमती नीता पटैरिया (सिवनी) : घोटाले के लिए मथुरा में ही जेल है, इसका भी ख्याल रखियेगा।

श्री लालू प्रसाद :जेल से ही बचाव हुआ है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: There are 15 more Members from your side to participate in the discussion. Please wind up. No running commentary, Madam.

लालू जी, आप ही रनिंग कमेंटरी करेंगे तो कैसे चलेगा?

श्री लालू प्रसाद : मंत्री का फर्ज बनता है बताना, सहायता करना और वही सहायता मैं कर रहा हूं।

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : माननीय मंत्री जी, लाखों लोग मथुरा देश और विदेश से आते हैं। ब्रिटिश समय से वहां एक तुफान मेल चलती है और कोलकाता जाती है।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. डा. लक्ष्मीनारायण पांडे जी।

कुंवर मानवेन्द्र सिंह : उपाध्यक्ष जी, मुझे पांच मिनट का समय और दीजिए। मैंने कई वक्ताओं को सुना है जिन्होंने कहा है कि माननीय मंत्री जी ने अपने ऑफिस में विश्वकर्मा जी का चित्र लगाया हुआ है। मैं माननीय मंत्री जी से कहूंगा कि आप अपने ऑफिस में राधाकृण का भी चित्र लगाएं। " मेरी भव बाधा हरो राधा नागरि सोह, जो तन की छाई पड़े श्याम हरित दुति होय" । जो भी बाधाएं आपके मंत्रालय में आएं, उनसे भगवान आपको मुक्त करे, जिससे आप अपने मंत्रालय को अच्छे ढंग से चला सकें। मेरी जो और मांगे हैं उनको लिखकर मैं माननीय मंत्री जी को दे दूंगा और वे मेरी प्रार्थना स्वीकार करेंगे, ऐसी मुझे आशा है।

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डेय (मन्दसौर) : उपाध्यक्ष महोदय, वर्ा 2004-05 के रेल बजट पर सदन में चर्चा कर रहे हैं। इस रेल बजट को प्रस्तुत करते हुए, मंत्रीजी

ने कई आर्काक घोाणायें करने का प्रयास किया है। ये घोाणायें बाहर से आर्काक लगती है, लेकिन उनको पूरा करने की जो समयावधि दी है और जिस प्रकार की अर्थ-व्यवस्था की रचना उनको करनी चाहिए, वह अर्थ रचना इस बजट में दिखाई नहीं देती है। इसलिए स्वाभाविक है, हम इस बात को साफ तौर पर कहें कि ये घोष णायें मात्र घोाणायें ही रहने वाली हैं, शायद उनकी क्रियान्विति संभव नहीं हो सकेगी।

महोदय, मंत्रीजी ने अपने बजट भााण में कहा है कि उनके द्वारा एक हजार किलोमीटर रेल लाइन का अमान परिवर्तन किया जाएगा। मुझे समझ में नहीं आता है कि एक हजार किलोमीटर रेल लाइन का अमान परिवर्तन की तो उन्होंने घोाणा कर दी, लेकिन यह परिवर्तन कितनी अवधि में होगा और कितना पैसा लगेगा, इस बारे में उन्होंने नहीं बताया है। इसी प्रकार लाइनों को दोहरीकरण, सुरक्षा और पुराने सर्वेक्षणों के अद्यतन की बात भी उन्होंने कही है। लेकिन पूरे रेल बजट को देखने के बादे यह कहीं भी प्रतीत नहीं होता है कि इसकी व्यवस्था करने के लिए अर्थ व्यवस्था का क्या प्रबन्ध करने जा रहे हैं। यह ठीक है, उन्होंने दो-तीन बातें जरूर ठीक की है, लेकिन उनको ठीक करने के बाद रेल मंत्रालय को जो अर्थ चाहिए, वह मेरे विचार से नहीं मिल पाएगा। उन्होंने बजट में 14,498 करोड़ रुपए के व्यय की बात कही है, लेकिन व्यय की पूर्ति की दिशा में कोई विशेा लक्ष्य नहीं दिखाई देते हैं। उन्होंने रेल वित्त निगम द्वारा बाजार से ऋण लेने की बात कही है, लेकिन निगम कम ब्याज पर ऋण चाहता है। इस ऋण की उपलब्धि कैसे होगी या नहीं होगी, इस बारे में शंका बनी हुई है। मंत्रीजी जब सदन में उत्तर दें, तो वे कृपया इस बारे में स्पट करें।

अब मैं आपका ध्यान कुछ अन्य तथ्यों की ओर दिलाना चाहता हूं। पहले रेल विभाग द्वारा कहा गया था कि रेलवे ट्रैफिक प्राधिकरण बनाया जाएगा या नियामक ए ाधिकरण बनाया जाएगा। इस बारे में बजट में कुछ भी नहीं कहा गया है कि यह प्राधिकरण बनाया जाएगा या नहीं। जब हम रेलवे में ट्रैफिक सुरक्षा की बात कहते हैं या संरक्षा की बात कहते हैं, तो ट्रैफिक प्राधिकरण की स्थिति के बारे में मंत्रीजी स्थिति स्पट करें। मंत्री जी ने स्क्रैप को रिसाइकिल करने के लिए कारखाना लगाने की बात कही है। मुझे यह समझ में नहीं आता है कि पूरे देश से स्क्रैप को इकट्ठा करने में कितना पैसा लगेगा तथा बाजार से जो चीज लेते हैं, उसके लागत मूल्य में और रिसाइकिल द्वारा लागत मूल्य में कितना अन्तर होगा, इस बारे में मंत्री जी बतायें। इसमें मेरा अनुमान है कि कुल मिलाकर रेल मंत्रालय को घाटा होने वाला है, कोई नफा नहीं होने

वाला है, भले ही आपने कारखाने लगाने की बात जरूर कही है। ठीक इसी प्रकार आपने एक अन्य कारखाना लगाने की बात भी कही है, यह कारखाना आप चाहे बिहार में लगायें या किसी अन्य स्थान पर लगायें, लेकिन जो वर्तमान में कारखाने लगे हैं, उनकी कार्यक्षमता पर ध्यान नही दिया गया है। कपूरथला या चेन्नई या तमिलनाडु में जो कारखानों की क्षमता है, उनका भरपूर लाभ नहीं उठाया जा रहा है। 60 प्रतिशत से कम उत्पादन इन कारखानों में किया जा रहा है, अगर इस क्षमता को बढ़ाया जाता है, तो रेलवे की आवश्यकता पूरी हो सकती है। दूसरी तरफ हम रेलवे की आवश्यकता की पूर्ति आयात करके कर रहे हैं, कुछ ऐसी चीजें हैं जो हमें आयात करनी पड़ती है, यदि हम आयात न करके यहीं पर प्राप्त करने की व्यवस्था करें, तो ज्यादा ठीक होगा।

इसके साथ ही आपने अपने बजट भााण में रेलवे पुलिस को अतिरिक्त अधिकार देने की बात भी कही है। इनके पास अधिकार तो पहले से ही हैं, लेकिन इन अधिकारों का सदुपयोग तो मैं नहीं कहूंगा, दुरुपयोग अधिक किया जा रहा है। यह व्यवस्था तो नहीं है कि वे अधिकारी सामान को चैक करने की व्यवस्था करें, टिकट यात्रियों से मांगते हैं और उनको परेशान करते हैं। उनको और अधिक अधिकार देने से पहले इस बात को सुनिश्चित कर लें कि अधिकारों का दुरुपयोग नहीं होगा और दिए गए अधिकारों से रेलवे की सुरक्षा और संरक्षा बढ़ेगी। मैं आपके माध्यम से कर्मचारियों और अधिकारियों के बालकों की ओर भी ध्यान दिलाना चाहता हूं। रेलवे की तरफ से चिकित्सालय, विद्यालय और महाविद्यालय चलाए जाते हैं। लेकिन इसमें इतनी कम प्रवेश संख्या होती है कि रेलवे के अधिकारियों और कर्मचारियों के बालकों को प्रवेश नहीं मिलता है। चिकित्सालयों की बहुत दुर्दशा है। वहां विशेा प्रकार के रोगियों के इलाज की ठीक व्यवस्था नहीं है। उन्हें रैफर करने के बाद जब बाहर भेजा जाता है तो वहां भी परेशानी होती है। यदि आप इन तीन बातों की तरफ ध्यान देते तो इस बजट को ज्यादा उपयोगी कहा जा सकता था। वर्तमान में जो बातें बतायी हैं उनसे बहुत बड़ा उपयोग होगा या कोई बहुत बड़ी बात होगी, ऐसा तर्कसंगत नहीं लगता है।

मैं आमान परिवर्तन की दिशा में दो-तीन बातों की तरफ आपका ध्यान दिलाना चाहता हूं। पिछले रेल मंत्री श्री नीतीश कुमार ने आमान परिवर्तन के बारे में एक लक्ष्य निर्धारित करते हुए 2004-2005 की समयावधि में उन्हें पूरा करने की बात कही थी लेकिन 2004-05 तक जहां-जहां आमान परिवर्तन का काम चल रहा है, उनको कैसे पूरा करेंगे, कैसे लक्ष्य की पूर्ति करेंगे, इस बात का कहीं जिक्र नहीं है। 2004-05 में जिन चीजों की पूर्ति होने वाली थी, यह होगी या नहीं, यह स्पट नहीं है। मैं दो-तीन उदाहरण आपके समक्ष रखना चाहता हूं। नीमच से रतलाम तक आमान परिवर्तन जो पश्चिमी रेलवे के अन्तर्गत आता है, वह 2004-05 में पूरा होना चाहिए था लेकिन बजट में केवल 25 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जबकि मैंने रेल मंत्रालय और स्वयं आपका ध्यान इस ओर आकर्ति करके कहा था कि आप इसके लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध कराएं अन्यथा यह 2004-05 में यह लक्ष्य पूरा होने वाला नहीं है। उसके लिए राशि उपलब्ध नहीं करायी गई है। उस लाइन के बनने से दोहरी और वैकल्पिक लाइन रतलाम से कोटा तक मिलती है। आप एक तरफ चित्तौड़ से उदयपुर को जोड़ने जा रहे हैं और दूसरी तरफ सर्वेक्षण के लिए रतलाम से मऊ के सर्वेक्षण की बात कही है और तीसरी रतलाम से बांसवाड़ा तक वाया डूंगरपुर की बात कही है। ये सर्वेक्षण कार्य बरसों से चल रहे हैं। नई घोाणाएं करने से पहले आप नए सर्वेक्षण की पूर्ति की दिशा में आगे क्या करेंगे और सर्वेक्षण के बाद कितनी अवधि में काम शुरु हो जाएगा, इसके बारे में उल्लेख नहीं किया है। मैं उस तरफ आपका ध्यान आकर्ति करना चाहूंगा। इससे रतलाम से सीधे चितौड़ तक का आमान परिवर्तन हो जाएगा। रतलाम-नीमच का काम चल रहा है, नीमच चितौड़ के बीच में काम हो गया है, चितौड़ से कोटा के बीच काम हो गया है, चितौड़ से उदयपुर के बीच भी होने वाला है लेकिन चितौड़ से अजमेर का जो खंड है अगर वह शेा रह जाता है तो मेन लाइन बनी या नहीं वह अधूरा रह जाएगा क्योंकि मऊ से लेकर अजमेर तक का जो रेल खंड है, उसका जब तक पूरा आमान परिवर्तन नहीं होता तब तक इसकी उपयोगिता सिद्ध नहीं होगी।

आपने रेल सुविधाओं को बढ़ाने की बात कही है। आपने एक आकर्ति नारा दिया है कि कैसे पैलेस ऑन व्हिल्स की तरह विलेज ऑन व्हिल्स करेंगे। यह बहुत अच्छी बात है। यह किस प्रकार की होगी और किस प्रकार इसका उपयोग किन किन व्यक्तियों द्वारा या सामान्य जन द्वारा किया जाएगा इसकी क्या संरचना होगी, यह आप जानें। अभी स्थिति यह है कि सामान्य कोचेज नहीं मिल रहे हैं, लोगों को बैठने के लिए स्थान नहीं मिल रहा है। लोग यात्री डिब्बों के ऊपर बैठ कर चलते हैं। आ वश्यकता इस बात की है कि आप आरक्षित डिब्बों की बजाय ज्यादा से ज्यादा अनारक्षित डिब्बे या सामान्य कोचेज बढ़ाने की कृपा करें। गाडियों के अन्दर डिब्बें बढ़ाए जाएं। 22 कोचेज, 25 कोचेज, 26 कोचेज, इस प्रकार उन्हें बढ़ाएं। सामान्य यात्री जिस में यात्रा करते हैं, उनकी संख्या बढ़ाएं। अन्यथा विलेज आन वहूलस सर्वथा निरूपयोगी होगा ।

मैं अपने क्षेत्र की 2-3 बातों का उदाहरण देकर उल्लेख करना चाहता हूं। रतलाम-नीमच आमान परिवर्तन शीघ्र हो। वहां पटरियां आ गई हैं, स्लीपर डाले जा चुके हैं, साइड्स चौड़ी हो गई हैं, सिंगनलिंग का काम चल रहा है, इसके लिए थोड़ी राशि और उपलब्ध करा दी जाए। मैंने आपसे और रेलवे बोर्ड से निवेदन किया था कि इसके लिए 70-80 करोड़ रुपया उपलब्ध करा दिया जाए। वह लाइन पूरी होने से बहुत उपयोगी सिद्ध होगी। आप इसे जल्दी से जल्दी कराएं। यात्री यातायात व औद्यौगिक क्षेत्र की दृटि से लाभप्रद होगा । उज्जैन से रामगंज मंडी तक के सर्वेक्षण को अद्यतन कराने की बात कही गई थी। यह बात पहले भी कही गई थी लेकिन अद्यतन करा कर काम शीघ्र आरम्भ हो। आप इस दिशा में प्रयत्न करें। मैं समझता हूं कि वह लाइन ज्यादा उपयोगी और लाभप्रद सिद्ध हो सकेगी ।

कुछ ऐसे रेलवे क्रॉसिंग हैं जहां ऊपरी पुल बनाना आवश्यक है। अभी रतलाम में ऊपरी पुल बन रहा है लेकिन दूसरा ऊपरी पुल बनाने की आवश्यकता है। जावरा के पास ऊपरी पुल बनाने की आवश्यकता है।

नीमच में रेल ऊपरिगामी पुल बनाये जाने की आवश्यकता है। कई समपार तो ऐसे हैं जहां 24 घंटे आदमी तैनात किये जाने चाहिये। समपार पर कोई आदमी नहीं होने के कारण लोगों को बहुत परेशानी होती है और र्दुघटनाएं होती हैं और स्टेशन जाकर आदमी को बुलाकर ही फाटक खुलवाया जाता है। इसलिये जिन समपारों पर आदंमी की आवश्यकता है, वहां यह व्यवस्था 24 घंटे होनी चाहिये।

उपाध्यक्ष महोदय, माननीय रेल मंत्री जी ने अपने भाषण में रेल आरक्षण की बात कही है जिसकी ओर मैं उनका ध्यान आकर्षित करना चाहूंगा। रेल आरक्षण एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। मंत्री जी ने कम्प्युटर द्वारा रेल आरक्षण सुविधा और बढ़ाये जाने की बात कही है। ठीक है, यह व्यवस्था बढ़ रही है लेकिन जहां जहां कम्प्युटर व्यवस्था है, वहां कर्मचारियों की इतनी कमी है कि लोगों को घंटों लाइन में खड़े रहना पड़ता है। आप कर्मचारियों की इस कमी को कैसे पूरा करेंगें? कब तक करेंगे । इसके साथ ही उन्होंने रेल में निरंतर बढ़ रहे घाटे के बारे में उल्लेख किया है। उन्होंने इस बात को रेल वार्षिकी 2002-2003 में स्वयं स्वीकार किया है जो उपनगरीय रेल चल रही है, उसमें काफी घाटा हो रहा है। मुम्बई, कोलकाता और चैन्नई में चल रही उपनगरीय रेलों से राजस्व में करोड़ों रुपये की हानि हो रही है। इस घाटे की पूर्ति वे किस प्रकार से करेंगे, कृपया बतायें ताकि उपनगरीय रेलो में चलने वाले यात्रियों को लाभ मिले और राजस्व घाटे को पूरा किया जा सके। उन्होंने वार्षिकी 2003-2004 के पृठ 96 पर इस बात को स्वीकार किया है कि यह घाटा करीब 650.70 करोड़ रुपये है। मुझे अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि रेल मंत्री जी ने इस घाटे को पूरा करने के लिये किसी व्यवस्था का जिक्र नहीं किया है।

उपाध्यक्ष जी, माननीय रेल मंत्री जी ने अपने रेल बजट भाषण के पृठ 3 पर उद्धृत किया है कि रेल दुर्घटनायें क हुई हैं। यह पुरानी बात है। अभी तो वर्षा चालू हुआ है और इनके समय में रेल दुर्घटनायें और बढ़ रही हैं। अभी आपको महीना भर हुआ है। अपने भाषण में बताया है कि मानवीय भूलों के कारण दुर्घटनायें हो सकती हैं, ये दुर्घटनायें होती रहती हैं, इसमें किस का दोष है। मैं समझता हूं कि ऐसा नहीं है। कहीं न कहीं रेलवे की अक्षमता के कारण या संरचना में कमी के कारण ये दुर्घटनायें निरंतर घटती रही हैं। हमारे पूर्ववर्त्ती रेल मंत्री के प्रयास का फल है कि दुर्घटनाओं में कमी आई थी। क्या रेल मंत्री जी इन दुर्घटनाओं को घटाने का प्रयास करेंगे? मैं उन्हें धन्यवाद दूंगा, लेकिन आज रेल दुर्घटनायें बढ़ रही हैं। उन्हें रोकने का प्रयत्न किया जाना चाहिये।

उपाध्यक्ष जी, आज रेलवे स्टेशन पर बहुत ज्यादा गंदगी मची रहती है। केवल कह देने मात्र से या भाषण करने से रेलवे स्टेशन पर सफाई नहीं होती है। मैं कल ही राजधानी एक्सप्रैस से यात्रा कर रहा था। ए.सी. फर्स्ट-क्लास के कोच में टॉयलट बहुत गंदा था। सामान्य श्रेणी के डिब्बों में हालत और खराब रहती है, आप स्वयं अंदाज लगा सकते हैं। स्वच्छता कह देने से काम नहीं चलता। इसमें पूरी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। यात्रियों को सुख-सुविधा मिलनी चाहिये। मंत्री जी स्वयं स्टेशन पर जाकर देख सकते हैं कि कितनी गंदगी है, वहां किस प्रकार की अव्यवस्था है, वह अव्यवस्था दूर कराइये।

उपाध्यक्ष महोदय, रेल मंत्री जी ने अपने भाषण में आमान परिवर्तन, लाइन दोहरीकरण या विद्युतीकरण की बात कही है। मैं पुन दोहराना चाहूँगा क्योंकि मुझे नहीं मालूम कि इन सब परियोजनाओं के लिये धनराशि कहां से आयेगी। केवल घोषणायें कर देने से काम नहीं चलेगा। जब इन घोषणाओं को अमलीजामा पहना पायेंगे तभी काम हो सकेगा लेकिन केवल कहभर देने से या आर्काक बना देने से काम नहीं चलने वाला है। इन योजनाओं को अमलीजामा पहनाने की आवश्यकता है।

उपाध्यक्ष जी, मैं 2-3 बातें अपने संसदीय क्षेत्र के बारे में कहना चाहूंगा। मेरे संसदीय क्षेत्र में शामगढ़, पश्चिमी रेलवे का एक बड़ा रेलवे स्टेशन है। मैंने इस स्टेशन पर जम्मू तवी-मुम्बई सुपरफास्ट एक्सप्रैस के स्टापेज के लिये पत्र लिखकर निवेदन किया जाए । इसी प्रकार जयपुर-दुर्ग, व धनबाद-अहमदाबाद एक्सप्रैस गाड़ी के स्टापेज के लिये भी अनुरोध किया है। साथ ही मेरी मांग है कि निजामुद्दीन इंटरसिटी एक्सप्रेस का स्टापेज गरोठ स्टेशन पर दिया जाये। कई स्टेशनों पर पश्चिम रेलवे में मेरे क्षेत्र में प्लेटफार्म सही कराने तथा स्टेशन के समीप की सडकें ठीक करवायें । रतलाम कोप के मध्य एक 'एनू' चलाई जाए । इसकेसाथ ही साथ उज्जैन से लेकर चित्तौड़गढ़ तक जो मीटर गेज का खंड है, उसमें एक अतिरिक्त गाड़ी जब तक ब्राडगेज का काम पूरा नहीं होता, चलाने की बात मैंने कही है। आशा है इन सब बातों की तरफ भी आप ध्यान देंगे तथा जैसा मैंने कहा है तथा पुन: कहूँगा कि सामान्य यात्रियों के लिए अधिक सुविधाजनक कोचेज लगाकर या सामान्य कोचेज लगाकर इन अव्यवस्थाओं को दूर करने का प्रयत्न करेंगे। अधिकारियों और कर्मचारियों के बच्चों को शिक्षण तथा चिकित्सा की अच्छी सुविधाएं देने की व्यवस्था करें। यात्री सुविधाओं की तरफ अधिक ध्यान दें । इन्हीं शब्दों के साथ मैं अपनी बात समाप्त करता हूं।

SHRIMATI M.S.K. BHAVANI RAJENTHIRAN (RAMANATHAPURAM): Hon. Deputy-Speaker, Sir Vanakkam!

"Iyattralum Eettalum Kaththalum Kaththa

Vaguththallum Valla Tharasu."

This is a Kural written by the great poet `Thiruvalluvar' and these are the most suitable words for the preparation of any budget.

I take this opportunity to express my endless gratitude to our esteemed and the most respected leader of our D.M.K. Party, hon. Dr. Kalaignar and our beloved former Minister Murasoliyar for the opportunity bestowed on me to be here in this august House and also my wholehearted thanks to you, Sir, for having given me an opportunity to participate in the discussion on the Railway Budget for the year 2004-05.

First of all, I want to express my gratitude to our hon. Minister of Railways, Shri Lalu Prasad and the hon. Minister of State in the Ministry of Railways, Shri Velu, I.A.S., for having sanctioned the broad gauge from Madurai to Manamadurai in the Ramesawram Section that covers some 48 kms.

The Budget is mostly welcomed by all the sections of the society, as it is purely redesigned by the noble policies of the father of our nation, the great Mahatma Gandhi. The introduction of the utilisation of khadi and khaddar instead of cotton and our traditional pot instead of plastic cup paves way for the rural development. I think that hon. Minister of Railways, Shri Lalu Prasad, has proved himself that he is an appreciable leader of the poor people in the society.

Being a woman parliamentarian, it is a great pride that the consideration of the appointment of women ticket collectors is a pioneer scheme introduced for the first time in our country.

Moreover, the concessions for the unemployed youth attending interviews for Central Government jobs and the widows of Defence personnel killed in action against extremists are welcomable ones.

Thus, the Railway Budget gives many welfare measures purely supporting the poor, the weaker and the downtrodden sections of the entire society, as there is no hike in the fare and freight.

In spite of all these, I could not control myself from expressing my grievances about the announcements of broad gauge in our area, Ramanathapuram. We, actually, are in the dire need of broad gauge up to Rameswaram.

Rameswaram, the most famous pilgrimage as well as the historical centre, where 7000 tourists are visiting daily, is not only a cultural link but is also the `Commercial Hub', as there is a revenue of Rs. 10 crore per year. I feel proud to say that the first citizen of our country, our President, Shri A.P.J. Abdul Kalam, hails from Rameswaram.

The extension of broad gauge up to Rameswaram is most essential for the implementation of Sethu Samuthram Project. This broad gauge not only helps to meet the transport needs of our backward area but also helps to bind dispersed areas to promote national integration. If the project is implemented, the revenue will go up by 20 per cent from the present annual revenue of Rs. 10 crore.

The formation of a railway track is most essential between Ramanathapuram and Kanyakumari *via* Sayalkudi and Tuticorin. It will develop commercial importance in and around the Tuticorin port and also helps to extend the viable commercial and cultural link to Kanyakumari. As the east coast road between Ramanathapuram and Kanyakumari is now in the process, when the broad gauge is brought up parallel to this road, it will surely help to promote the import and export activities and the economy of our most backward area will shoot-up high.

Hope our grievances should be taken into consideration as early as possible by the Ministry of Railways.

Before I conclude my speech, I welcome this `poor man's Budget' on behalf of our D.M.K. Party.

Again, Sir, I extend my heartiest thanks to you.

15.00 hrs.

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav.

...(*Interruptions*)

SHRI KHIREN RIJIJU (ARUNACHAL WEST): Sir, I just want an assurance from the hon. Home Minister that President's rule will not be imposed. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No questions please.

...(*Interruptions*)

SHRI KHIREN RIJIJU : Sir, I am just seeking an assurance. ...(*Interruptions*)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH (BHILWARA): Sir, there cannot be a discussion, but clarifications can be asked. ...(*Interruptions*)

SHRI BIKRAM KESHARI DEO (KALAHANDI): Sir, he is an hon. MP from Arunachal Pradesh. He can ask a clarification. ...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA (SOUTH DELHI): What is happening? ...(*Interruptions*)

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : Since there is a constitutional crisis, the hon. MP is on his legs to ask a clarification. ...(*Interruptions*)

SHRI KHIREN RIJIJU : Sir, I want an assurance from the hon. Home Minister. ...(*Interruptions*)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : Sir, we can always ask clarifications. This has been the practice in the Parliament. ...(*Interruptions*)

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : Mr. Deputy-Speaker, Sir, it cannot be a one-sided affair. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Shri Ram Kripal Yadav.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: No, please.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. Please accommodate.

...(*Interruptions*)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : We can ask clarifications. We can ask questions. ...(*Interruptions*) Sir, we have to ask clarifications. ...(*Interruptions*)

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : उपाध्यक्ष महोदय, आपने मेरा नाम पुकारा है। मैं बोलने के लिए खड़ा हुआ हूं, लेकिन माननीय सदस्य बीच-बीच में बोलकर मेरे भााण में व्यवधान उत्पन्न कर रहे हैं। इसलिए मैं अपना भााण प्रारम्भ नहीं कर पा रहा हूं। मैं आपका संरक्षण चाहता हूं। आप इन्हें शान्त रहने के लिए कहें ताकि मैं अपना भााण शुरू करूं। â€¦ (व्यवधान)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : Mr. Deputy-Speaker, Sir, never in the history of India, a thing like this has happened. It is the break-down of the whole Constitution and when it is a break-down of the whole Constitution, you do not want us to ask clarifications. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: First, please listen to me.

...(*Interruptions*)

श्री मोहन सिंह (देवरिया) : उपाध्यक्ष महोदय, मेरा सुझाव है कि सोमवार को गवर्नर्स की डिसमिसल पर डिबेट हो रही है, इस विाय को तब उठाया जाए, तो बेहतर रहेगा। â€¦ (व्यवधान)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : Sir, let us ask some clarifications. ...(*Interruptions*)

SHRI KHIREN RIJIJU : I want an assurance ...(*Interruptions*)

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI SHIVRAJ V. PATIL): Sir, I am not going to give any assurance to the House. Your own Member is saying that there is a break-down of the Constitution. ...(*Interruptions*)

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : There is no question of constitutional break-down. ...(*Interruptions*)

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: No assurance can be given in such matters without going into the details. The Government shall take appropriate decision in appropriate manner. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please listen to me.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : उपाध्यक्ष महोदय, the only thing is that गवर्नर ने कहा है कि उनसे ड्यूरैस में लैटर लिखवाया गया है। आप अपने गवर्नर को तो डिफेंड करेंगे, यह बात ठीक है, लेकिन वे कौन लोग हैं जिन्होंने गवर्नर से बलपूर्वक लैटर लिखाया ?â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: First, please listen to me. Please sit down.

...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Rule 372 says:

> "A statement may be made by a Minister on a matter of public importance with the consent of the speaker but no question shall be asked at the time the statement is made."

SHRI SHIVRAJ V. PATIL: Sir, I am seeking your indulgence because some statements have been made by the hon. Members and they are part of the record. Now, they are forgetting that it was their Government in the State. They are forgetting that the caretaker Government there had their own Chief Minister, and they are forgetting that it is they who are responsible for all these things that are happening there. Now, they are asking us to take action and give clarifications on this issue. ...(*Interruptions*)

SHRI KHIREN RIJIJU : Mr. Deputy Speaker Sir, whatever happened was at the residence of the Governor. ...(*Interruptions*)

श्री विजयेन्द्र पाल सिंह : उपाध्यक्ष महोदय, इनकी बात आ गई है, हमारी बात नहीं आई है।â€¦ (व्यवधान)हम केवल एक प्रश्न पूछना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)क्लेरीफिकेशन पूछने के लिए कभी किसी ने मना नहीं किया।â€¦ (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, माननीय सदस्य कैसे प्रश्न पूछ सकते हैं, जब आपकी रूलिंग हो गई है तो प्रश्न पूछ ही नहीं सकते।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please take your seat.

...(*Interruptions*)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : हमारी ट्रेन लेट न कराई जाए।â€¦ (व्यवधान)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦**

SHRI TAPIR GAO (ARUNACHAL EAST): Hon. Deputy-Speaker Sir, I would like to know one thing. What circumstances compelled the Governor to write a letter to the hon. President? ...(*Interruptions*)

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : Sir, please give me a chance to ask a clarification.

MR. DEPUTY-SPEAKER: I have already called Shri Yadav. I will allow you after Shri Ram Kripal Yadav concludes his speech.

SHRI TAPIR GAO : Mr. Deputy Speaker Sir, under what duress did the Governor write a letter to the hon. President of India?

SHRI VIJAYENDRA PAL SINGH : Sir, all sorts of reports are being published in the newspapers since this incident happened. ...(*Interruptions*)

MR. DEPUTY-SPEAKER: Please sit down. This is not allowed.

15.07 hrs (Shri Giridhar Gamang *in the Chair*)

RAILWAY BUDGET 2004-2005– GENERAL DISCUSSION

AND

DEMANDS FOR GRANTS ON

ACCOUNT – (RAILWAYS)-2004-2005 – contd.

श्री राम कृपाल यादव (पटना) : महोदय, मुझे बहुत महत्वपूर्ण विाय पर बोलने का अवसर प्रदान किया गया है। मैं माननीय रेल मंत्री जी, माननीय प्रधानमंत्री जी और श्रीमती सोनिया गांधी जी के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने आज देश के सामने बड़ा ही महत्वपूर्ण रेल बजट पेश किया है।

महोदय, यह बजट संयुक्त, प्रगतिशील गठबंधन सरकार का बजट है जो वर्ा 2004-2005 के लिए है। यह देश में पहला अवसर है जब किसी रेल मंत्री जी ने पूरे देश के पैमाने पर गरीबों, वंचित लोगों, महिलाओं, पिछड़ों, अकलियतों, गांव के लोगों और जो सुविधा-भोगी लोग हैं, उनके लिए शानदार और जानदार रेल बजट प्रस्तुत करने का काम किया है। एनडीए, विपक्ष के लोगों को इसका एक-मुख से वेलकम करना चाहिए था। जो पिछले छः साल से यहां राज कर रहे थे, उन छः वर्ाों के रेल बजट को देखा जाए और इस साल के रेल बजट को देखा जाए तो इसी से पता चल जाएगा कि इनका दृटिकोण क्या था और हमारा दृटिकोण क्या है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की सरकार है, इनका दृटिकोण क्या है, उससे आपको पता चल जाएगा। ये रोना रोते थे, स्वदेशी का नारा देते थे, लेकिन इन्होंने सारे देश को बर्बाद कर दिया। स्वदेशी दिल से होता है। माननीय रेल मंत्री जी ने अपने एक-दो निर्णयों से इस देश को दिखा दिया है कि कौन स्वदेशी चाहने वाला है और कौन देशी को चाहने वाला है। आप पिछले छः सालों में देश को कहां से कहां ले गए, शाइनिंग इंडिया । आपने फील गुड सुना होगा, सारा इंडिया शाइनिंग, फील गुड इनका समाप्त हो गया। हम देश के गरीबों को चाहते हैं। माननीय रेल मंत्री जी ने निर्णय लिया है, कुल्हड़, खादी, छाछ, दूध, लस्सी, मट्ठा, उसकी तरफ ध्यान दिया जाये। अभी माननीय सदस्य बता रहे थे, मैं इनकी बातों को सुन रहा था कि किसी कम्पनी ने इसका टेंडर ले लिया है।

मैं अपनी कांस्टीच्यूएंसी में धन्यवाद ज्ञापित करने गया था, पाटलिपुत्र, जो ऐतिहासिक धरती है, गुरु गोविन्द सिंह जी की धरती है, जयप्रकाश नारायण जी की धरती है, अशोक, बुद्ध और सूफी संतों की धरती रही है। मैं वहां एक गांव में गया तो कुम्हार मेरे पास दौड़ते हुए आये। हमने कहा कि आपका चक्का चल रहा है तो वे बड़े खुश थे, हमें प्रणाम कर रहे थे। हमने कहा कि क्या बात है तो उन्होंने कहा कि हमारे नेता लालू प्रसाद जी यादव ने तो हम लोगों की जो रोजी-रोटी छिन गई थी, उसे वापस कर दिया और हमें बचाया, मैं यहां से नहीं बोल रहा हूं, दिल से बोल रहा हूं और सही बात बोल रहा हूं। मैंने कहा, लालू जी का यह एक निर्णय देश के जितने कुम्हार और मिट्टी बरतन से जुड़े हुए लोग हैं, उनके रोजगार जो पिछले कई वर्ाों से छिन गये थे, इन्होंने उनके पेट की रोटी वापस कर दी। हम आपके नेता, आपकी पार्टी और आपका आभार व्यक्त करना चाहते हैं। हमें मिट्टी नहीं मिल रही है और सारे लोग काम में लगे हैं, क्योंकि हजारों का उसे आर्डर मिल गया था। ऐसे एक नहीं, अनेकानेक एग्जाम्पल्स हैं।

मन साफ होना चाहिए, नीयत साफ होनी चाहिए। नीति बने और नीयत साफ नहीं हो तो कोई नीति सही ढंग से नहीं चलती है, 54 साल की आजादी में यही हुआ है। नये-नये कानून बनते गये, लेकिन कानून तो इम्प्लीमेंट करने से होता है न। हमारी ऐतिहासिक धरती है। इनके एक खादी के निर्णय ने, जितने हैण्डलूम और पावरलूम से जुड़े हुए लोग थे, गरीब और बुनकर लोग बेचारे परेशान हालत में थे, सब लोग अपनी किस्मत को रो रहे थे कि मेरा क्या होगा। सभी लोगों के चेहरे पर खुशी ला दिया । गांधी दर्शन को अगर किसी ने सही ढंग से सरजमीं पर उतारने का काम किया है तो लालू यादव और मनमोहन सिंह की सरकार ने किया है और आपको इससे सीख लेनी चाहिए।â€¦ (व्यवधान) आपने सही कहा कि गांधी के दर्शन को ये क्या उतारेंगे।â€¦ *इनके मन में गांधी के प्रति कोई ममता नहीं है। हम माननीय रेल मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहते हैं।â€¦ (व्यवधान)

प्रो. रासा सिंह रावत (अजमेर) : सभापति महोदय, इस शब्द को कार्यवाही में से निकाल दिया जाये। माननीय सदस्य ने जो इस शब्द का प्रयोग किया है, इस शब्द को कार्यवाही में से निकाल दिया जाये, हमारा इतना ही निवेदन है। इन्होंने जो शब्द बोला है, उसे कार्यवाही में से निकाल दिया जाये।

श्री रामदास बंडु आठवले (पंढरपुर) : यह शब्द कार्यवाही में रहना चाहिए।

प्रो. रासा सिंह रावत : माननीय सदस्य ने जिस शब्द का प्रयोग किया है, वह कार्यवाही से निकाल दिया जाये।...(व्यवधान)

श्री रामदास बंडु आठवले : â€¦*

यह शब्द रिकार्ड में रहना चाहिए।â€¦(व्यवधान)

श्री बिक्रम केशरी देव (कालाहांडी) : अनपार्लियामेंटरी वर्ड को कार्यवाही में से निकाल दिया जाये।

सभापति महोदय : जो ऑब्जैक्शनेबल शब्द हैं, वे कार्यवाही से निकाल दिये जाएं।

***Not Recorded.**

श्री राम कृपाल यादव : आज जो गरीब, दलित, शोाति और आदिवासी लोग हैं, जिनकी तरफ आप लोगों में से किसी ने ध्यान देने का काम नहीं किया, ये लोग हल्ला कर रहे हैं, 81 प्रतिशत लोगों ने माननीय रेल मंत्री जी के बजट का देश के लोगों ने स्वागत किया है। यह इनका आंकड़ा है, जिस पर ये विश्वास करते हैं, वह हम लोगों का आंकड़ा नहीं है। उन्होंने कहा है कि यह अच्छा बजट है, इसका गरीब तबके के लोगों ने, सब वर्गों के लोगों ने वैलकम किया है, स्वागत किया है। वे कहते हैं तो इनको खराब लगेगा ही। शेयर बाजार का सूचकांक चढ़ गया, लेकिन इनको अच्छा नहीं लग रहा है, लगेगा भी नहीं। पूरे देश को इन लोगों ने बर्बाद कर दिया। इन लोगों ने कहा कि यह बिहार का बजट है। इस देश में यह सबसे पहले रेल मंत्री हैं जिन्होंने बिहार की तरफ कुछ झांका है, बिहार को कुछ दिया है। बिहार को अभी भी अपना वाजिब हक नहीं मिल पाया है।

मैं रेल मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि आपने बिहार को बहुत छोटा सा अंश दिया है। इससे बिहार का काम नहीं चलेगा। â€¦(व्यवधान)बिहार के साथ-साथ जितने अन्य पिछड़े राज्य हैं, उनकी तरफ आपको ध्यान देना पड़ेगा। आपने इस रेल बजट में उन पर कुछ ध्यान दिया है लेकिन उससे उनका काम नहीं चलेगा।

सभापति महोदय, आप उड़ीसा राज्य से आते हैं, वह भी गरीब राज्य है। बिहार के साथ हमेशा अन्याय ही हुआ है। प्रथम पंचवर्षीय योजना से लेकर आज तक बिहार की हकमारी हुई है। बिहार एक गरीब, शोाति और पिछड़ा हुआ राज्य है। मैं समझता हूं कि अगर देश का संचालन करना होगा, देश को समान रूप से आगे बढ़ाना है तो आपको बिहार और बिहार जैसे गरीब राज्यों की तरफ भी ध्यान देना पड़ेगा। â€¦(व्यवधान)ये लोग क्या समझेंगे ? â€¦(व्यवधान)बोल बम तौल कम वाले लोग हैं। इन लोगों की समझ में कुछ नहीं आयेगा। इनको केवल अयोध्या नजर आ रही है, राम मंदिर नजर आ रहा है। â€¦(व्यवधान)

श्री रामदास आठवले : इनका ध्यान रेल पर नहीं है। â€¦(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : यह तो आप लोगों को पता चल जायेगा।â€¦(व्यवधान)

भगवान राम के साथ धोखा कीजिएगा तो आपकी बुद्धि भ्रट होगी। आपकी बुद्धि भ्रट हो चुकी है। â€¦(व्यवधान)आपने सारा देश बर्बाद कर दिया है। â€¦(व्यवधान)

श्री रासा सिंह रावत :आप रेल बजट पर बोलिये। â€¦(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : मैं रेल बजट पर ही आ रहा हूं। â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : यादव जी, आप चेयर को ऐड्रेस कीजिए। â€¦(व्यवधान)

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : Mr. Chairman, Sir, the hon. Member is going off the track. Please ask him to come to the rail track.

श्री राम कृपाल यादव : हम आप पर भी आ रहे हैं। â€¦(व्यवधान)क्या रेल अयोध्या नहीं जाती है ? बिना रेल के आप अयोध्या चले जाते हैं। हम माननीय रेल मंत्री जी को बधाई देना चाहते हैं कि आपने अयोध्या के लिए एक नयी ट्रेन दी है। असली राम भक्त तो हम लोग हैं। आप जैसे लोग नहीं हैं जो राम के नाम पर कत्लेआम करने का काम करते हैं। हम आप जैसे लोग नहीं हैं। हम काम में विश्वास करते हैं। भगवान राम कर्मयोगी रहे हैं और हम काम में विश्वास करके दिखाना चाहते हैं। जो वर्तमान सरकार है, वह दिखाना चाहती है कि इस देश का जो अवाम है, गरीब तबके के लोग हैं â€¦(व्यवधान)जो सही में राम हैं, उसे भी â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : यादव जी, आप चेयर को ऐड्रेस कीजिए।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : हम ईश्वर पर विश्वास करने वाले हैं। "अल्लाह-ईश्वर तेरो नाम, सबको सम्मति दे भगवान।" इस देश का अवाम तरस रहा था। बिहार की धरती ऐतिहासिक धरती है जहां से महात्मा गांधी ने अपनी यात्रा शुरू की थी।

सभापति महोदय, शायद आपको याद होगा। इन लोगों को इतिहास याद नहीं है। उसी बिहार की धरती से एक लाल श्री लालू प्रसाद यादव जी निकले हैं जिसने देश को परिवर्तित करने का काम किया है। â€¦(व्यवधान)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : हमने लाठी भी उठाई थी।â€¦(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : यह ठीक है कि आपने लाठी उठायी थी, लाठी रैली भी निकाली थी और इन लोगों का सफाया किया था। â€¦(व्यवधान)बिहार की ऐतिहासिक धरती पर श्री लाल कृण आडवाणी जी को भी गिरफ्तार किया गया था। आज तक उनको इसकी पीड़ा है इसलिए इन् लोगों ने श्री लालू प्रसाद को ्रताड़ित करते रहने का काम किया है।â€¦(व्यवधान)

श्री लालू प्रसाद : खानदानी लड़ाई चल रही है। â€¦(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : यहखानदानी लड़ाई चल रही है। मैं इतना कहना चाहूंगा कि आपने गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की तरफ ध्यान देकर बड़ी कृपा की है। गरीबी रेखा से नीचे रहने वाले लोगों की तरफ आज तक किसी ने नहीं देखा। जो कुली हैं, पोर्टर हैं, उनकी तरफ किसी ने नहीं देखा।

सभापित महोदय : अब आप समाप्त करिए।

...(व्यवधान)

श्री राम कृपाल यादव : अभी तो मैंने शुरू किया है। â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : आपको बोलते हुए 15 मिनट से ज्यादा हो गया है।

...(व्यवधान)

SHRI RAM KRIPAL YADAV : Please cooperate with me, Sir.

MR. CHAIRMAN: You also have to cooperate with me because other Members will have to speak. Other Members are in the queue.

श्री राम कृपाल यादव : मैं पहले भूमिका बता रहा था, अब बजट पर आ रहा हूं।â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री राम कृपाल यादव : मैं हाथ जोड़ता हूं।â€¦(व्यवधान)आपने न सिर्फ कुली, वैंडर्स, पोर्टर्स की तरफ ध्यान दिया बल्कि उनकी पत्नियों और उनके मां-बाप की तरफ भी ध्यान दिया। हम इसके लिए आपके आभारी हैं। गांव के बड़े-बूढ़े जो असहाय हैं, आपने उनके लिए एक कीर्तिमान स्थापित किया है। अब तक बड़े लोगों की सुविधाओं का ही ध्यान रखा जाता था लेकिन गरीब लोगों की तरफ देखने वाला कोई नहीं था। रेल मंत्री जी ने गरीब लोगों की आशाओं को पूरा करने का काम किया है। बेचारे गरीब लोग जो सोच भी नहीं सकते थे कि कभी वे भी तीर्थ यात्रा करेंगे, आपने उनकी तरफ भी ध्यान दिया है। जिन लोगों के पास पिंड दान करने के लिए पैसा नहीं था, आपने उनको कम रेट में गया जैसे पिंड दान स्थान के लिए, अजमेर शरीफ और कई महत्वपूर्ण तीर्थ स्थलों में भिजवाने की व्यवस्था की है। हम आपको कोटि-कोटि धन्यवाद देना चाहते हैं।â€¦(व्यवधान)

सभापति महोदय : अब आप समाप्त कीजिए।

श्री राम कृपाल यादव : आप मुझे संरक्षण दीजिए।â€¦(व्यवधान)आपनेमाल-भाड़े में वृद्धि नहीं की है। ये कहते हैं कि पैसा कहां से लाएंगे। हममें इतनी क्षमता है कि हम अपने कार्यरूप से, अधिकारियों और कर्मचारियों के सहयोग से व्यवस्था कर लेंगे । हम लोग आम जनता को कोई तकलीफ देने का काम नहीं करना चाहते। आपने माफियागिरी को खत्म कर दिया। इतिहास साक्षी है कि 54-55 सालों में जिस पर बड़े-बड़े माफिया लोगों का अधिपत्य था, बड़े-बड़े सेठ लोग गुंडों के माध्यम से उसपर कब्जा कर औने-पौने रेट में उसे बेचने का काम करते थे, आपने उसे खत्म करने का काम किया। क्या ऐसा ऐतिहासिक काम किसी ने किया है? आपने ठेकेदारी में पारदर्शिता लाने का काम किया और करप्शन को दूर करने का काम किया। आप लोहे के बदले लोहा बनाकर, चक्का बनाकर जनता के बीच देना चाहते हैं। विदेशों से जो परचेज़िंग होती थी, यदि उसके घपले की जांच की जाए तो सारा मामला सामने आ जाएगा। हम उसके बारे में कुछ नहीं बोलना चाहते। रेल मंत्री जी देख रहे हैं कि उसमें क्या-क्या गड़बड़ी होती थी।

आपने छपरा में कारखाना खोलने के लिए जो काम किया है, वह भी स्वागत योग्य है। लोगों ने कहा कि छपरा में क्यों कारखाना खुल गया। क्या दिक्कत है कि छपरा में कारखाना नहीं खुलेगा? छपरा नैगलैक्टेड रहा है। आपने जमालपुर के बंद कारखाने को पुनर्जीवित कर दिया। यह भी स्वागत योग्य है। बिहार, मुजफ्फरपुर, मोकामा, जहां रेल के सामान बनते थे, एक साजिश के तहत उनको भंग कर दिया गया तथा बिहार के साथ अन्याय करने का काम किया गया। रेल मंत्री को उसकी तरफ ध्यान देना पड़ेगा। बिहार और पूरे देश की जनता आपकी तरफ देख रही है। आपसे लोगों को बहुत आशा है। व्हीलर किताब के माफिया को आपने खत्म कर दिया। आपने बैकवर्ड क्लास, नौजवान, दलित, अल्पसंख्यक और शोाति लोगों को जो रिजर्वेशन दिया है, वह भी स्वागत योग्य है। हमारे यहां जनसंख्या रोज बढ़ रही है। रोजगार के अवसर नहीं बढ़ रहे हैं। लेकिन आपने जो निर्णय लिया है, वह बेरोजगार नौजवानों के लिए स्वागत योग्य है। जो गरीब लोग इंटरव्यू देने के लिए शहर से बाहर जाते हैं, उनके लिए आपने फ्री टिकट कर दी है। यह एक ऐतिहासिक काम है। इसका स्वागत करना चाहिए लेकिन कोई करने वाला नहीं है।â€¦(व्यवधान) पैसेंजर ट्रेन जो आम लोगों की ट्रेन है, उसकी तरफ देखने वाला कोई नहीं था। आपसे बड़ी आशा है। आपने मंत्री बनते ही सफाई की व्यवस्था करवाने का काम किया। पैसेंजर ट्रेनों की हालत बहुत ही खराब है। हम निवेदन करेंगे कि आप पैसेंजर ट्रेन का मुआयना कीजिए, चलकर देखिए कि उनकी क्या स्थिति है। हमारे बिहार में कई ऐसी पैसेंजर ट्रेन हैं। देश के दूसरे भागों में भी पैसेंजर ट्रेनों की वही दुर्दशा होगी। इसलिए मैं आपसे निवेदन करूंगा कि पैसेंजर ट्रेन्स को ठीक कीजिए जिसमें देश की जनता चलती है। देश की जनता ए.सी. में नहीं चलती है और सॉफिस्टिकेटेड लोग भी इसी में चलते हैं। गरीब जनता भी इसमें चलती है। आपने जो ट्रेन गरीब लोगों के लिए शुरू करवाई है, वह कदम भी स्वागत योग्य है। आपने सुरक्षा पर विशेा ध्यान दिया है। ये लोग कह रहे हैं कि सुरक्षा पर कोई ध्यान नहीं दिया गया है। आपने 8000 सिपाहियों की बहाली के लिए व्यवस्था की है और कई तकनीकी रूप से जो गड़बड़ियां थीं, उनकी ओर भी आपने ध्यान देने का काम किया है। ...(व्यवधान) आप कह रहे हैं कि बिहार में ही सिर्फ अपराध हो रहा है। देश के जितने राज्य हैं,...(व्यवधान) आप आकलन कर लीजिए कि बिहार में ज्यादा हैं या महाराट्र में। ...(व्यवधान) और आप कह रहे हैं कि बिहार मं घटना घटी है।

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : Mr. Chairman, Sir, if the hon. Member yields, I would just say something....(*Interruptions*)

The hon. Member is saying that the last NDA Government never took any step for safety measures in the Railways. In this regard, I would request the hon. Member to kindly see para 9 of page 3 of the Railway Minister's speech. Here, it is clearly written that 'as a result of various safety measures and sustained efforts, the number of consequential train accidents has come down from 473 in 2000-01 to 414 in 2001-02'....(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN : Shri Deo, he is not yielding.

...(*Interruptions*)

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : It is further written that 'the number of train accidents has come down to 351 in 2002-03 and further 325 in 2003-04.' At that time, it was the NDA Government....(*Interruptions*)

श्री सुरेन्द्र प्रकाश गोयल (हापुड़) : उपाध्यक्ष जी, ये बीच में कहां से बोलने लगे ?

MR. CHAIRMAN: Shri Bikram Keshari Deo, please take your seat. He is not yielding.

SHRI BIKRAM KESHARI DEO : Sir, he should not mislead the House...(*Interruptions*)â€¦In fact, the Railway Minister has praised the previous Government on the safety aspects...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Shri Deo, please take your seat. He is not yielding.

...(*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Now, nothing will go on record except what Shri Ram Kripal Yadav speaks.

*(Interruptions)**

श्री राम कृपाल यादव : उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननाय मंत्री जी से निवेदन करना चाहता हूं कि मैं थोड़ी देर में समाप्त करने वाला हूं। राजधानी एक्सप्रैस जो सप्ताह में तीन दिन पटना से चलती है। आपकी बड़ी कृपा

*Not Recorded.

होगी यदि आप इसे प्रतिदिन कर देंगे। इस पर बहुत लोड है। इस राजधानी एक्सप्रैस को डेली चलवाने का काम करें। हम आपसे निवेदन करेंगे कि बिहार से लेकर औरंगाबाद तक रेल बिछाने का सर्वेक्षण का काम पूरा करवाने का काम कीजिए। इससे चार जिले लाभान्वित होंगे। उस इलाके में गरीब लोगों की बहुत बड़ी संख्या है। पटना, अरवल, जहानाबाद तथा औरंगाबाद जिला होकर अगर ये लाइन बिछ जाती है तो इससे गरीब लोगों को बहुत सुविधा होगी। आप कृपा करके इस पर ध्यान देने का काम करें। हमारा आपसे निवेदन होगा कि सदीसोपुर स्टेशन हमारे यहां कांस्टीट्यूएंसी में है। वहां बहुत दुर्दशा है। हम आपसे निवेदन करेंगे कि पटना में मैट्रो ट्रेन चलवा दीजिए। आपने स्वयं एहसास किया है कि पूरे गंगा किनारे से लेकर पूरे पटना तक बहुत लोड है। बहुत आबादी अफैक्टेड हो रही है। इसलिए मैं निवेदन करूंगा।

15.28 hrs. (Mr. Deputy Speaker in the Chair)

मैं दो-तीन प्वाइंट्स कहकर अपनी बात समाप्त करूंगा। वहां मेट्रो ट्रेन चलवा दीजिए। बंकाघाट वहां पर है। वहां पर बड़ा जल्ला का क्षेत्र है। वहां रेलवे वाइन प्रभावित होती है। पटना साहिब स्टेशन से चलवा दीजिए। आपने पटना दीघा से डीएमयू शुरू करवाई है परंतु वह पटना सिटी तक रह जाती है। पटना जंक्शन से पटना सिटी होते हुए पटना घाट मालसलामी तक करवा दीजिए ताकि अवाम को सुविधा मिल सके और गरीब लोग यात्रा कर सकें। इससे आपकी बड़ी जय-जय होगी। बंकाघाट स्टेशन के समीप जल्ला क्षेत्र है। वह भी बहुत जरूरी है। इससे करीब-करीब 50,000 किसानों को मदद मिलेगी। विक्रमशिला-दिल्ली-भागलपुर ट्रेन में पेंट्री कार की व्य वस्था नहीं है, वह करवा दीजिए। जनशताब्दी ट्रेन के सभी दिल्ली-हावड़ा में जो कोचेज लगे हुए हैं, वे बहुत रद्दी हैं, उनको चेंज करवा दीजिए। भागलपुर से दिल्ली ट्रेन चेंज करवा दीजिए। जमालपुर का आधुनिकीकरण करवा दीजिए।

मैं एक और निवेदन करके अपनी बात समाप्त करूंगा। बिहटा स्टेशन की व्यवस्था को मंत्री जी दुरुस्त करा दें, तो बड़ी मेहरबानी होगी। हमारे यहां गंगा नदी पर जो पुल बन रहा है उसका काम बहुत धीमी गति से चल रहा है। इसके साथ ही मुंगेर में जो पुल बन रहा है, उसका भी निर्माण कार्य धीमी गति से चल रहा है। मेरा रेल मंत्री जी से निवेदन है कि इन पुलों के कार्यों को शीघ्र पूरा कराया जाए।

MR. DEPUTY-SPEAKER: Your speech is finished now. Thank you.

Now, we will take up Private Members' Business. Please sit down.

श्री राम कृपाल यादव : इसके साथ ही मैं पुनः रेल मंत्री जी का आभार व्यक्त करना चाहता हूं कि उन्होंने जो रेल बजट पेश किया है, उससे सिर्फ बिहार का ही नहीं, पूरे देश का विकास होगा और देश के बेरोजगार युवकों को नौकरियां भी मिलेंगी।

———

MR. DEPUTY-SPEAKER: Now, we will take up Private Members' Business. Please sit down. Shri Basu Deb Acharia.

Nothing else will go on record now.

*(Interruptions) â€¦**

*Not Recorded.